भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 800
गुरुवार, 4 दिसंबर, 2025/13 अग्रहायण, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

उड़ान योजना के तहत हवाई यात्रा तक पहुंच

800. डॉ. प्रशांत यादवराव पडोलेः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार क्षेत्रीय संपर्कता योजना - उड़े देश का आम नागरिक (आरसीएस-उड़ान) ने 3.23 लाख से अधिक उड़ानों की सुविधा प्रदान की है और इसके आरंभ के बाद से नौ वर्षों में 1.56 करोड़ से अधिक यात्रियों ने यात्रा की है, जिससे टियर-2/3 के शहरों और दूरस्थ क्षेत्रों में हवाई यात्रा तक पहुंच में वृद्धि हुई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) वर्ष 2024-25 के दौरान महाराष्ट्र में उड़ान के अंतर्गत कितने मार्ग और हवाई अड्डे जोड़े गए हैं और उनमें से कितने मार्ग और हवाई अड्डे गोंदिया लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र सहित जनजातीय या पिछड़े जिलों में स्थित हैं;

(ग) क्या ऑपरेटरों को आकर्षित करने और किफायती यात्रा सुनिश्चित करने के लिए आदिवासी या दूरस्थ जिलों में हवाई अड्डों या हवाई पट्टियों के लिए विशेष प्रोत्साहन या रियायती व्यवहार्यता अंतर निधियन (वीजीएफ) प्रदान की जाती है; और

(घ) लोड फैक्टर और समयानुसार प्रदर्शन, सेवा स्थिरता और प्रदर्शन मानदंडों को पूर्ण करने वाले आदिवासी या दूरस्थ हवाई अड्डों के विवरण सहित उपयोग की निगरानी हेतु क्या तंत्र है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) और (ख): क्षेत्रीय संपर्क योजना - उड़े देश का आम नागरिक (आरसीएस-उडान) के तहत, टियर-II शहरों सहित देश भर के विभिन्न गंतव्यों को जोड़ने वाली 3.27 लाख आरसीएस उड़ानों के परिचालन से 157 लाख से अधिक यात्री लाभान्वित हुए हैं।

वर्ष 2024-25 के दौरान, दो हवाईअड्डों नामतः अमरावती और सोलापुर को विकसित और प्रचालनरत किया गया है। इसके अलावा, जनवरी 2024 से नवंबर 2025 की अवधि के दौरान, महाराष्ट्र में 34 आरसीएस मार्गों को प्रचालनरत किया गया है, जो आदिवासी या पिछड़े जिलों में स्थित हवाईअड्डों सहित देश भर के विभिन्न हवाईअड्डों को जोड़ते हैं।

(ग): एयरलाइन प्रचालकों को उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करने और वहनीयता सुनिश्चित करने के लिए व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वीजीएफ) सहायता और विभिन्न रियायतें प्रदान की

जाती हैं। आज की तारीख तक, इस योजना के तहत, व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वीजीएफ) के रूप में, चयनित एयरलाइन प्रचालकों की सहायता के लिए, 4,352 करोड़ रुपये संवितरित किए गए हैं।

(घ) : सरकार लोड फैक्टर, समय पर निष्पादन, विमान परिनियोजन और सेवा संधारणीयता जैसे मापदंडों के माध्यम से 'उड़ान' मार्गों के उपयोग और निष्पादन की निगरानी करती है, जिनकी समय-समय पर एक संरचित निगरानी तंत्र के माध्यम से समीक्षा की जाती है। महाराष्ट्र में प्रचालनरत 'उड़ान' हवाईअड्डों सहित आदिवासी या दूरस्थ जिलों में स्थित हवाईअड्डों का नियमित रूप से मूल्यांकन किया जाता है और निर्धारित निष्पादन मानदंडों को पूरा करने वाले मार्ग, ऐसे अल्पसेवित क्षेत्रों में संधारणीय और विश्वसनीय क्षेत्रीय हवाई संपर्क सुनिश्चित करने हेतु सहयोग प्राप्त करते रहते हैं।

******